

तारीख
हुकम

हुकम कार्यवाही मय इनिशियल जज

ने
अहक
हुकम को
में जारी

विजाहीत कदुस्थिता के वरु
~~हुकम~~ विजाहीत के विरुद्ध
एक पक्षीय कार्यवाही भी जारी
है कदु हुकी गयी। कोर्ट
काल के विरामा जाकर खुले
पंचायत हुकम गमा। कोर्ट
की पालका तहरीर जारी है।
पालका आफ होने पर शकिल
पडावती की को पडावती विधि
हुकम होकर शकिल इफतार है।
जमी

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, गुडामालानी (बाड़मेर)

पीठासीन अधिकारी श्री प्रमोद कुमार आर.ए.एस

प्रकरण संख्या: 87/2022

प्रार्थीगण :-

1. धनराज जोशी पुत्र लीलाधर जोशी एडवोकेट
मूल निवासी गुडामालानी हाल निवासी जोशी वास बाड़मेर

बनाम

विप्रार्थीगण :-

1. रूपाराम पुत्र कुशलाराम जाति विश्‍नोई निवासी उदासर पटवार हल्का आलपुरा तहसील गुडामालानी
2. सुजानाराम पुत्र धींयाराम
3. रामजीवन पुत्र धींयाराम जाति विश्‍नोई निवासी उदासर पटवार हल्का आलपुरा तहसील गुडामालानी
4. अर्जुन पुत्र कानाराम जाति विश्‍नोई निवासी उदासर पटवार हल्का आलपुरा तहसील गुडामालानी
5. अमलुराम पुत्र चौखाराम जाति विश्‍नोई निवासी उदासर पटवार हल्का आलपुरा तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर
6. हरलालराम पुत्र प्रतापाराम जाति विश्‍नोई निवासी उदासर पटवार हल्का आलपुरा तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर

राजस्व आवेदन अन्तर्गत धारा 128 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956

--: आदेश :-

दिनांक :- 08/07/22

प्रार्थी ने यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 रा.भू.रा. अधिनियम का वास्ते नेखमबन्दी विप्रार्थीगण के विरुद्ध पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थी और उसके पुत्रों की संयुक्त खातेदारी का एक खेत खसरा नम्बर 807 रकबा 59-04 बीघा (9.5829 हैक्टेयर) का ग्राम उदासर पटवार हल्का आलपुरा तहसील गुडामालानी में आया हुआ है जिसकी मौके पर नेखमबन्दी करने का आदेश प्रदान करावें। प्रकरण दर्ज कर विप्रार्थीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। बाबजूद नोटिस तामील अनुपस्थित रहने से विप्रार्थीगण के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई।

हमने प्रार्थी के अधिवक्ता की बहस सुनी एवं पत्रावली का अवलोकन किया। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत जमाबन्दी संवत् 2075-2078 (2021) से स्थायी सरहद मौजा उदासर पटवार हल्का आलपुरा के खेत खसरा नम्बर 807 रकबा 9.5829 हैक्टेयर का अवलोकन किया। जिसमें प्रार्थी व प्रार्थी के पुत्रों का नाम बतौर खातेदारी दर्ज है। प्रार्थी की भूमि के चारों ओर सीमा चिन्ह व पक्की माटे नहीं होने से काश्त व प्राकृतिक पैदावार लेते समय तनाव व विवाद की स्थिति पड़ौसी खातेदारों के साथ उत्पन्न हो जाती है, तथा वर्तमान में विप्रार्थीगण प्रार्थीगण की भूमि पर जबरन अतिक्रमण कर कब्जा करने पर आमादा है, जिससे बचने के लिये प्रार्थीगण अपनी भूमि की पक्की नेखमबन्दी करवाना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में दोनों पक्षकारों की उपस्थिति में विवादित भूमि का सीमाज्ञान करवाकर पक्के नेखम स्थापित करवाने में कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होने एवं प्रार्थीगण विवादित भूमि का राजस्व अभिलेख में खातेदार दर्ज होने से प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

धनराज जोशी

गुडामालानी